

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-13

दिनांक- शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.8 एवं 8.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 51 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.9 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.6 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.4 एवं दोपहर में 28.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17-22 फरवरी, 2024)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17-21 फरवरी, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते हैं, हालांकि मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। सारण, सिवान, गोपालगंज, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण के जिलों में 22 फरवरी के आसपास बूँदा बूँदी हो सकती है।
- पूर्वानुमानित की अवधि अधिकतम तापमान 27 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। जबकि न्यूनतम 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- अगले दो दिनों तक पछिया उसके बाद पुरवा हवा औसतन 5-6 कि०मी० प्रति घंटा की रफतार से चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 65 से 75 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- फिलहाल शुष्क मौसम को देखते हुए किसान भाई आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। खुदाई के 15 दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दे। बीज वाली आलू की फसल की उपरी लती काट दें।
- पूर्वानुमान की अवधि में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए समय से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो गाभा की अवस्था में आ गयी हो उसमें सिंचाई कर 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। बसन्तकालीन ईख एवं शकरकन्द की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। अक्टुबर-नवम्बर महीनों में रोपी गई ईख की फसल में हल्की सिंचाई करें। जो किसान भाई बसन्तकालीन ईख लगाना चाहते हैं, खेत की तैयारी कर बुआई शुरू करें।
- मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानों को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियाँ खाने योग्य नहीं रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाष फंदा का उपयोग करें। 15-20 टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास 25 ई० सी० या नोवाल्थुरॉन 10 ई० सी० का 1 मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- इस समय लहसुन एवं अगात बोयी गई प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का निगरानी करें। थ्रिप्स कीटों की संख्या अधिक दिखने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई०सी० दवा का 1.0 मि०ली० प्रति लीटर पानी या इन्डाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल 1.0 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावे।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए जिन किसान भाईयों की खेत की तैयारी हो चुकी है बुआई शुरू कर सकते हैं तथा जिन किसानों का खेत तैयार नहीं है वैसे किसान भाई खेतों की तैयारी जल्दी करें। 150-200 किं०टल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई०सी० दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20-30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकार्ड-गुडाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई प्राथमिकता से करें।
- पिछात बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकूल समय चल रहा है। इससे बचाव के लिए डाईमैथोएट 30 ई०सी० दवा का 1.0 मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव मौसम साफ होने पर करें।
- इस समय आम में मंजर आ रहा है। जो किसान भाई आम में अभी तक कीटनाशक दवा का छिड़काव नहीं किए हैं, वे इन्डाक्लोप्रिड (17.8 एस०एल०) दवा 1 मिलीलीटर प्रति 2 लीटर पानी की दर से और घुलनशील गंधक चूर्ण फुंदनाशक दवा (80 डब्लू०पी०) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। इससे आम के पेड़ में मधुआ कीट एवं चूर्णित आसिता (पाउडरी मिलडीउ) रोग की उग्रता में कमी आती है।
- इस मौसम में सब्जियों वाली फसल में लाही कीट का प्रकोप की संभावना रहती है, यदि कीटों की संख्या अधिक हो तो इन्डाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करें। चारे की लगी हुई फसलें जैसे-जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25-30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।

आज का अधिकतम तापमान: 26.0 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 1.0 डिग्री अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 13.0 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)

तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)